अनुक्रमांक / Roll No.

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें ।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : **10**

Total No. of Questions : **10**

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **8**

No. of Printed Pages : **8**

M-2017-V

सामान्य हिन्दी

GENERAL HINDI

पाँचवाँ प्रश्न–पत्र

Fifth Paper

समय : **3** घंटे]

Time : **3** Hours]

[पूर्णांक : **200**

[Total Marks : **200**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

Instructions to the candidates :

1. इस प्रश्न–पत्र में कुल दस प्रश्न हैं ।

   This Question Paper consists of **ten** questions.

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

   All questions are compulsory.

3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं ।

   Marks for each question have been indicated on the right hand margin.

4. प्रश्न क्रमांक 1 में कोई विकल्प नहीं है । शेष प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिया गया है ।

   There is no internal choice in Question No. 1, remaining questions carry internal choice.

5. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका पालन करें ।

   Wherever word limit has been given it must be adhered to.

6. प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें । एक प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से क्रमानुसार लिखें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर ना लिखें ।

   Question should be answered exactly in the order in which they appear in the question paper. Answer to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answer of the other question should be inserted between them.

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं ।

1. इन लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में (एक या दो पंक्तियों में) दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है । $20 \times 3 = 60$

(i) 'स्रोत भाषा' और 'लक्ष्य भाषा' का परिचय दीजिए ।

(ii) तद्भव शब्द का अर्थ समझाते हुए नृत्य, उष्ट्र, पुष्प और दुर्लभ शब्दों का तद्भव रूप लिखिए ।

(iii) कार्यालयी भाषा के मुख्य गुण क्या-क्या हैं ?

(iv) 'शब्द-युग्म' का तात्पर्य समझाइए ।

(v) अर्धपारिभाषिक शब्द का तात्पर्य क्या है ?

(vi) अनुवादक के तीन गुण लिखिए ।

(vii) स्वर संधि का तात्पर्य क्या है ?

(viii) संज्ञा के कितने भेद हैं और वे कौन-कौन से हैं ?

(ix) उपसर्ग का तात्पर्य क्या है ?

(x) हिन्दी में मुख्य विराम चिह्न कौन-कौन से हैं ?

(xi) कारकों के अनुसार तत्पुरुष समास के कितने भेद हैं ?

(xii) संक्षेपण माने क्या है ?

(xiii) पल्लवन की विशेषताएँ लिखिए ।

(xiv) राजभाषा किसे कहते हैं ?

(xv) लोकोक्ति और मुहावरे में अंतर क्या है ?

(xvi) मूर्धा से उच्चारित होने वाली ध्वनियाँ कौन-कौन सी हैं ?

(xvii) खड़ीबोली का विकास किस अपभ्रंश से है और यह मुख्य रूप से कहाँ-कहाँ बोली जाती है ?

(xviii) विसर्ग संधि माने क्या है ?

(xix) पर्यायवाची शब्द का मतलब क्या है ?

(xx) विलोम शब्द माने क्या है ?

2. निम्नलिखित गद्यावतरण का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

वास्तव में पारिभाषिक शब्दावली की समस्या भारतीय भाषाओं के सामने पहली बार नहीं आ रही है । जनभाषा के पक्ष में जिन लेखकों ने संस्कृत में लिखने की पूर्व परिपाटी को छोड़ना चाहा, उनमें से प्रत्येक ने भाषा-निर्माण के स्थान पर शब्दों को अन्य भाषाओं से ग्रहण कर अपना काम चलाया है । वस्तुतः शब्द और शब्द-समूह को ग्रहण करने में किसी भाषा का अपमान नहीं होता । यह नितांत स्वाभाविक प्रक्रिया है । शब्दों और अभिव्यक्तियों को केवल शब्द-भंडार बढ़ाने के लिए नहीं लिया जाता वरन् किसी विशेष संदर्भ में प्रयुक्त होने वाले शब्दों को उसी संदर्भ में उपयुक्त मानते हुए ग्रहण करना होता है ।

अथवा

ग्रामीण लोग यहाँ अधिकतर निरक्षर हैं । वे छोटी-छोटी बातों पर आपस में लड़ते रहते हैं । जब-तब वे न्यायालयों में जाते रहते हैं और अपना काफी पैसा व्यर्थ गँवाते हैं । एक बार एक गाँव वाले ने अपने एक पड़ोसी के विरुद्ध मुकदमा दायर किया । उसने अपने पड़ोसी पर यह आरोप लगाया कि इसने मेरे मवेशी चुराए हैं । उसने कई गवाह पेश किए । पड़ोसी ने न्यायालय को बताया कि उसके पशु उसकी फसल को बर्बाद कर रहे थे । उसने भी कई गवाह पेश किए । मजिस्ट्रेट ने जाँच के लिए आदेश दिया । जाँच से पता चला कि पहले आदमी के कोई पशु नहीं थे और दूसरे की कोई फसल नहीं थी ।

3. निम्नलिखित अंग्रेजी गद्यावतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 15

In the Mahabharata there are three main places where Dharma is discussed. In the Karnaparva, it is made definite that, "that which holds together the people is Dharma". In the Shantiparva the scope of Dharma is defined as concerned with the duties of Kings and subjects, of the four orders, and of the modes of life; besides, Dharma is supposed to lay down the duties of man as man; and duties suited to every stage of evolution are discussed with clarity.

अथवा / OR

Now that our beloved country is free from foreign domination we have limitless opportunities to progress in all directions and make India strong and powerful. This can be done if the industrialists strive to produce more and more wealth. In order to achieve this objective of increased production, industrialists should shake hands with workers. Capital and labour are the twin wheels of industrial progress. Labourers will work with more zeal enthusiasm if they are assured of fair terms from capitalists.

4. निम्नलिखित गद्यांश का एक-तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए तथा रेखांकित पंक्तियों का भाव-पल्लवन अपने शब्दों में कीजिए । 10 + 5 = 15

हमारे शास्त्रों में धर्म का जहाँ भी प्रसंग आया है, बड़ी रोचक और स्पष्ट व्याख्या की गई है तब भी धर्म को गूढ़ बतलाया गया है । गूढ़ अर्थात् रहस्यों से भरा हुआ । कई प्रसंग ऐसे भी आए जहाँ बड़े-बड़े ज्ञानी भी धर्म को सही ढंग से परिभाषित करने में चूक गए । उन्हें मौन होना पड़ा । महाभारत का एक बड़ा ही मर्मस्पर्शी प्रसंग है । युधिष्ठिर जब पाँचों भाइयों सहित स्वयं को जुए में हार गए तब क्या उन्हें द्रौपदी को भी दाव पर रखने का अधिकार था ? इस विषय पर भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य और विदुर जैसे महाज्ञानी भी मौन होकर देखते रहे । दाव पर रखी गई द्रौपदी का सभा में चीर हरण होता रहा । विकर्ण ने इस बात का सिर्फ विरोध ही नहीं किया, अपितु अपने विवेक के अनुसार उसने धर्म को परिभाषित करने का भी प्रयास किया । अपने इतने ही संक्षिप्त चरित्र के कारण महाभारत का पात्र विकर्ण अमर हो गया ।

अथवा

'रामचरितमानस' के उत्तरकांड में गरुड़ ने काकभुशुण्डि से सात प्रश्न पूछे हैं । वे प्रश्न मानवीय अस्तित्व के बुनियादी प्रश्न हैं और उनके उत्तर भी उतने ही अर्थवान । जितने संक्षिप्त प्रश्न उतने ही सारगर्भित उत्तर । जैसे तुलसी अपने जीवन भर के अनुभवों का निचोड़ दे रहे हों । गरुड़ का एक प्रश्न है – 'बड़ दुख कवन, कवन सुख भारी' अर्थात् सबसे बड़ा दुख और सबसे बड़ा सुख क्या है ? काकभुशुण्डि एक ही चौपाई में इसका जो उत्तर देते हैं, वह तुलसी जैसा बड़ा कवि ही लिख सकता था । वे कहते हैं – "नहिं दरिद्र सम दुख जग माहीं, संत मिलन सम सुख जग नाहीं" अर्थात् दारिद्र्य के समान कोई दुख नहीं और संत मिलन के समान कोई सुख नहीं है । विचार करें कि यदि दारिद्र्य सबसे बड़ा दुख है तो उसका उल्टा अर्थात् आर्थिक संपन्नता को सबसे बड़ा सुख कहना चाहिए । मगर तुलसी ऐसा नहीं कहते हैं ।

5. ग्रामोद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए जनता की भागीदारी की आवश्यकता तथा ग्रामोद्योग-उत्पाद्यों को जनता के बीच अधिकाधिक उपयोग में लाने के संबंध में राज्य के पंचायतों को राज्य-सचिवालय से भेजे जाने वाले परिपत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए । 15

अथवा

किसी सामाजिक कार्यकर्ता के पत्र के उत्तर में आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा आदिवासियों के लिए किए गए प्रगतिशील कार्यों का विवरण देते हुए अर्ध-शासकीय पत्र का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए ।

6. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों में से किन्हीं पाँच के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिए : 15

(i)	Accelerator	(ii)	Breeding
(iii)	Ceiling	(iv)	Analogy
(v)	Bond	(vi)	Contract
(vii)	Adjournment	(viii)	Act
(ix)	Oscillation	(x)	Jurisdiction

अथवा

निम्नलिखित हिन्दी शब्दों में से किन्हीं पाँच के अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द लिखिए :

(i)	लेखाकार	(ii)	कक्ष/प्रकोष्ठ
(iii)	परिपत्र	(iv)	अनुलग्नक
(v)	प्रतिनियुक्ति	(vi)	पहचान पत्र
(vii)	अनुभाग	(viii)	परिसमापन
(ix)	कंपन	(x)	संश्लेषण

7. निम्नलिखित मुहावरों/कहावतों में से किन्हीं पाँच का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : $5 \times 3 = 15$

(i) अँगूठा दिखाना

(ii) अपना उल्लू सीधा करना

(iii) ईंट का जवाब पत्थर से देना

(iv) कमर कसना

(v) दाल न गलना

(vi) ऊँट के मुँह में जीरा

(vii) जल में रहकर मगरमच्छ से बैर

(viii) डूबते को तिनके का सहारा

(ix) थोथा चना बाजे घना

(x) मुँह में राम बगल में छुरी

8. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के उत्तर लिखिए : 5 × 3 = 15

(i) परम + अर्थ की संधि कीजिए ।

(ii) 'महेन्द्र' का संधि-विच्छेद कीजिए ।

(iii) 'यथाशक्ति' में कौन-सा समास है ?

(iv) 'समीप' का समानार्थी शब्द लिखिए ।

(v) 'कमल' शब्द के तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

(vi) 'उच्चवर्ग' का विलोम शब्द लिखिए ।

(vii) 'जलद' और 'जलज' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(viii) अर्धविराम के चिह्न को अंकित कीजिए ।

(ix) 'दूध' का तत्सम शब्द लिखिए ।

(x) 'हस्त' शब्द का तद्भव शब्द लिखिए ।

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 3 = 15

प्रत्येक राष्ट्र की अपनी एक सांस्कृतिक धरोहर होती है जिसके बल पर वह प्रगति के पथ पर अग्रसर होता रहता है । मानव युग-युग से अपने जीवन को अधिक सुखमय, उपयोगी, शांतिमय और आनंदपूर्ण बनाने का प्रयत्न करता रहा है । इस प्रयास का आधार वह सांस्कृतिक धरोहर होती है जो प्रत्येक मानव को विरासत के रूप में मिलती है और इस प्रयास के फलस्वरूप मानव अपना विकास करता है । कुछ लोग सभ्यता और संस्कृति को एक ही मानते हैं । यह उनकी भूल है । यों तो संस्कृति और सभ्यता में घनिष्ठ संबंध है; किंतु संस्कृति मानव जीवन को श्रेष्ठ एवं उन्नत बनाने की साधना का नाम है और सभ्यता उन साधनाओं के फलस्वरूप उपलब्ध हुई जीवन-प्रणाली का नाम है । सभ्यता के भीतर बहने वाली विचारधारा को हम संस्कृति कह सकते हैं । किसी राष्ट्र की सभ्यता का मूल्यांकन हम उसकी संस्कृति के आधार पर कर सकते हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ii) सभ्यता और संस्कृति में क्या अंतर है ?

(iii) मानव अपना विकास कैसे कर पाता है ?

(iv) संस्कृति क्या है ?

(v) किसी राष्ट्र की सभ्यता का मूल्यांकन हम कैसे कर सकते हैं ?

अथवा

नौजवानो ! इस वक्त तुम्हारी कोई मंजिल नहीं, क्योंकि अब तक तुम्हें मंजिल किसी ने दिखाई ही नहीं । 'बढ़े चलो' सभी कहते रहे । कहाँ ? – यह न किसी ने बताया न किसी ने पूछा । अब पूछने की आवश्यकता भी नहीं – अपनी मंजिल खुद तय करो ! इस मंजिल को तय करते समय इतना ध्यान रहे कि तुम वह ही नहीं, जो नित्य नई छवियाँ धारण करते नगरों के कॉलेजों, दफ्तरों या रास्तों में हो, तुम बर्फीली चोटियों और ऊँची-नीची पथरीली राहों पर देश का भार अपनी पीठ पर लादने वालों में भी हो और तपते रेगिस्तानों में ऊँटों के काफिलों पर देश की प्रतिष्ठा ढोने वालों में भी ! वह तुम ही हो जो न गरजती हुई समुद्री लहरों के थपेड़ों में मछलियाँ पकड़ते हुए भयभीत होते हो और न दिन-रात मशीनों की गड़गड़ाहट सुनकर बहरे होते हो ! अपने इन सपनों को एक कर लो, तब देखो तुम कितने महान हो, कितने विशाल !

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

(ii) आज नौजवानों को कोई मंजिल क्यों नहीं दिखती ?

(iii) नौजवान किस-किस क्षेत्र में साधना में रत हैं ?

(iv) जीवन संघर्ष का महत्त्व क्या है ?

(v) हम कैसे महान बन सकते हैं ?

10. किसी राष्ट्रीय फिल्मोत्सव के उद्घाटन समारोह पर संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए । 15

अथवा

'विश्व हिन्दी सम्मेलन' पर संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए ।